

जै श्रीमन्त्ररायण!



श्रीश्रीश्री त्रीदंडि विन्द जीयर् स्वामीजि का मंगलाशासन् से

# तिरुप्पावे



## श्री महा विष्णुव के चतुर्विंशति नामावलि

|  |    |   |    |
|--|----|---|----|
| 1. ओं केशवाय नमः                                 |    | ओं त्रिभंगिने नमः                           |    |
| 2. ओं नारायणाय नमः                               |    | ओं मधुराकृतये नमः                           |    |
| 3. ओं माधवाय नमः                                 |    | ओं शुक्वागमृताब्धींदवे नमः                  |    |
| 4. ओं गोविन्दाय नमः                              |    | ओं गोविन्दायनमः                             | 30 |
| 5. ओं विष्णवे नमः                                |    | ओं योगिनां पतये नमः                         |    |
| 6. ओं मधुसूदनाय नमः                              |    | ओं वत्सवाट चराय नमः                         |    |
| 7. ओं त्रिविक्रमाय नमः                           |    | ओं अनंताय नमः                               |    |
| 8. ओं वामनाय नमः                                 |    | ओं धेनुकासुर भंजनाय नमः                     |    |
| 9. ओं श्रीधराय नमः                               |    | ओं तृष्णीकृत तृष्णावर्ताय नमः               | 35 |
| 10. ओं हृषीकेशाय नमः                             |    | ओं यमलार्जुन भञ्जनायनमः                     |    |
| 11. ओं पद्मनाभाय नमः                             |    | ओं उत्तालताल भेत्त्रे नमः                   |    |
| 12. ओं दामोदराय नमः                              |    | ओं तमाल श्यामलाकृतये नमः                    |    |
| 13. ओं संकर्षणाय नमः                             |    | ओं गोप गोपीश्वराय नमः                       | 40 |
| 14. ओं वासुदेवाय नमः                             |    | ओं योगिने नमः                               |    |
| 15. ओं प्रद्युम्नाय नमः                          |    | ओं कोटिसूर्य समप्रभाय नमः                   |    |
| 16. ओं अनिरुद्धाय नमः                            |    | ओं इलापतये नमः                              |    |
| 17. ओं पुरुषोत्तमाय नमः                          |    | ओं परंज्योतिषे नमः                          |    |
| 18. ओं अधोक्षजाय नमः                             |    | ओं यादवेद्राय नमः                           |    |
| 19. ओं नारसिंहाय नमः                             |    | ओं यदूद्वहाय नमः                            | 45 |
| 20. ओं अच्युताय नमः                              |    | ओं वनमालिने नमः                             |    |
| 21. ओं जनादनाय नमः                               |    | ओं पीतवाससे नमः                             |    |
| 22. ओं उर्घेद्राय नमः                            |    | ओं पारिजातापहरकाय नमः                       |    |
| 23. ओं हरये नमः                                  |    | ओं गोवर्धनाचलोदधर्वे नमः                    |    |
| 24. ओं श्री कृष्णाय नमः                          |    | ओं गोपालाय नमः                              | 50 |
| <b>श्री कृष्णाष्टोत्र शतनामावलि:</b>             |    |   |    |
| ओं श्रीकृष्णाय नमः                               |    | ओं सर्वपात्रकाय नमः                         |    |
| ओं कमलानाथाय नमः                                 |    | ओं अजाय नमः                                 |    |
| ओं वासुदेवाय नमः                                 |    | ओं निरंजनाय नमः                             |    |
| ओं सनातनाय नमः                                   |    | ओं काम जनकाय नमः                            |    |
| ओं वसुदेवात्मजाय नमः                             | 5  | ओं कंजलोचनाय नमः                            | 55 |
| ओं पुण्याय नमः                                   |    | ओं मधुघ्ने नमः                              |    |
| ओं लौलामानुष विग्रहाय नमः                        |    | ओं मधुरा नाथाय नमः                          |    |
| ओं श्रीवत्स कौस्तुभ धराय नमः                     |    | ओं द्वारका नायकाय नमः                       |    |
| ओं यशोदा वत्सलाय नमः                             |    | ओं बलिने नमः                                |    |
| ओं हरये नमः                                      | 10 | ओं बृन्दावनांतसंचारिणे नमः                  | 60 |
| ओं चतुर्भुजात्तचक्रासि गदा शार्ङ्गदिउदायुधाय नमः |    | ओं तुलसीदाम भूषणाय नमः                      |    |
| ओं देवकी नन्दनाय नमः                             |    | ओं श्यमंतकमणे हर्वे नमः                     |    |
| ओं श्रीशाय नमः                                   |    | ओं नर नारायणात्मकाय नमः                     |    |
| ओं नन्दगोप प्रियात्मजाय नमः                      |    | ओं कुब्जा कृष्टांबरधराय नमः                 |    |
| ओं यमुनावेग संहारिणे नमः                         | 15 | ओं मायिने नमः                               | 65 |
| ओं बलभद्र प्रियानुजाय नमः                        |    | ओं परमपूरुषाय नमः                           |    |
| ओं पूतनाजीवित हराय नमः                           |    | ओं मुष्टिकासुर चाणूर मल्लयुद्ध विशारदाय नमः |    |
| ओं शक्टासुर भंजनाय नमः                           |    | ओं ससार वैरिणे नमः                          |    |
| ओं नन्दव्रज जना नंदिने नमः                       |    | ओं कंसारये नमः                              |    |
| ओं सच्चिदानन्दविग्रहाय नमः                       | 20 | ओं मुरारये नमः                              | 70 |
| ओं नवनीत विलिप्तांगाय नमः                        |    | ओं नरकात्काय नमः                            |    |
| ओं नवनीत नटाय नमः                                |    | ओं अनादि ब्रह्मचारिणे नमः                   |    |
| ओं अनधाय नमः                                     |    | ओं कृष्णाव्यसन कर्शकाय नमः                  |    |
| ओं नवनीत नवाहाराय नमः                            |    | ओं शिशपाल शिरश्छेत्रे नमः                   |    |
| ओं मुचिकुंद प्रसादकाय नमः                        | 25 | ओं दुर्योधन कुलान्तकाय नमः                  | 75 |
| ओं षोडश स्त्री सहस्रेशाय नमः                     |    | ओं विदुराकूर वरदाय नमः                      |    |
|  |    | ओं विश्वरूप प्रदर्शकाय नमः                  |    |
|  |    | ओं सत्यवाचे नमः                             |    |
|  |    | ओं सत्यसंकल्पाय नमः                         |    |
|  |    | ओं सत्यभामारताय नमः                         | 80 |
|  |    | ओं जयिने नमः                                |    |
|  |    | ओं सुभद्रा पूर्वजाय नमः                     |    |

|  |     |  |
|--|-----|--|
| ॐ विष्णवे नमः                                  |     | ॐ श्यामायै नमः                                 |
| ॐ भीष्मसुकित प्रदायकाय नमः                     |     | ॐ दयांचित दगंचलायै नमः                         |
| ॐ जगदगुरवे नमः 85                              |     | ॐ फल्गुन्याविर्भवायै नमः                       |
| ॐ जगन्नाथाय नमः                                |     | ॐ रम्यायै नमः                                  |
| ॐ वेणुनाद विशारदाय नमः                         |     | ॐ धनुर्मासकृतव्रतायै नमः 30                    |
| ॐ वृषभासुर विध्वंसिने नमः                      |     | ॐ चंपकाशोक पुन्नाग मालती विलस्त्कचायै नमः      |
| ॐ बाणासुर करांतकाय नमः                         |     | ॐ आकार त्रय संपन्नायै नमः                      |
| ॐ युधिष्ठिरप्रतिष्ठात्रेनमः                    | 90  | ॐ नारायण समाश्रितायै नमः                       |
| ॐ बर्हिंबहवतंसकाय नमः                          |     | ॐ श्रीमदष्टाक्षरी मंत्राज स्थित मनोरथायै नमः   |
| ॐ पार्थसारथये नमः                              |     | ॐ मोक्षप्रदाननिपुणायैनमः 35                    |
| ॐ अव्यक्ताय नमः                                |     | ॐ मंत्ररत्नाधिदेवतायै नमः                      |
| ॐ गीतामृत महोदधये नमः                          |     | ॐ ब्रह्मण्यायै नमः                             |
| ॐ काळीय फणिमाणिक्य रंजित श्रीपदाम्बुजाय नमः 95 |     | ॐ लोकजनन्यै नमः                                |
| ॐ दामोदराय नमः                                 |     | ॐ लीलामानुषरूपिण्यै नमः                        |
| ॐ यज्ञभोक्त्रे नमः                             |     | ॐ ब्रह्मजायै नमः 40                            |
| ॐ दानवेन्द्र विनाशकाय नमः                      |     | ॐ अनुग्रहायै नमः                               |
| ॐ नारायणाय नमः                                 |     | ॐ मायायै नमः                                   |
| ॐ परस्मैब्रह्मणे नमः                           | 100 | ॐ सच्चिदानंद विग्रहायै नमः                     |
| ॐ पन्नगाशन वाहनाय नमः                          |     | ॐ महा पतिव्रतायै नमः                           |
| ॐ जलक्रीडासमासक्त गोपीवस्त्रापहारकाय नमः       |     | ॐ विष्णु गणकीर्तन लोलुपायै नमः 45              |
| ॐ पुण्यश्लोकाय नमः                             |     | ॐ प्रपन्नार्तिहरायै नमः                        |
| ॐ तीर्थपादाय नमः                               |     | ॐ नित्यायै नमः                                 |
| ॐ वेदवेद्याय नमः                               | 105 | ॐ वेदसौध विहारिण्यै नमः                        |
| ॐ दयानिधये नमः                                 |     | ॐ श्रीरंगनाथ माणिक्यमंजर्यै नमः                |
| ॐ सर्वतीर्थात्मकाय नमः                         |     | ॐ मंजुभाषिण्यै नमः 50                          |
| ॐ सर्वग्रहरूपिणे नमः                           |     | ॐ सुग्राधार्थ ग्रंथकर्यै नमः                   |
| ॐ परात्पराय नमः                                |     | ॐ रंगमंगल दीपिकायै नमः                         |
| ॐ श्री कृष्ण परब्रह्मणे नमः                    |     | ॐ ईवज वज्रांकुशाब्जाक मृदु पादतलांचितायै नमः   |
| <b>श्री गोदा अष्टोत्तर शतनामावलि:</b>          |     |  |
| ॐ श्रीरंगनायक्यै नमः                           |     | ॐ तारकाकारनखरायै नमः                           |
| ॐ गोदायै नमः                                   |     | ॐ प्रवाळ मृदुलांगुल्यै नमः 55                  |
| ॐ विष्णुचितात्मजायै नमः                        |     | ॐ कर्मोपमेय पादोर्ध्वभागायै नमः                |
| ॐ सत्यै नमः                                    |     | ॐ शोभन पार्षिकायै नमः                          |
| ॐ गोपीवेषधरायै नमः                             | 5   | ॐ वेदार्थभावविदित तत्त्वबोधांघि पंकजायै नमः    |
| ॐ देव्यै नमः                                   |     | ॐ आनंदबुद्बुदाकार सुगुल्फायै नमः               |
| ॐ भूसुतायै नमः                                 |     | ॐ परमायै नमः 60                                |
| ॐ भोगशालिन्यै नमः                              |     | ॐ अणुकायै नमः                                  |
| ॐ तुलसीकाननोद्भूतायै नमः                       |     | ॐ तेज शिश्योज्जवलधृत पादांगुळि सुभूषितायै नमः  |
| ॐ श्रियैनमः                                    | 10  | ॐ मीन केतनतूणीर चारुजंघा विराजितायै नमः        |
| ॐ धन्विपुर वासिन्यै नमः                        |     | ॐ कुद्रत् जानुयुग्माढ्यायै नमः                 |
| ॐ भट्टनाथ प्रियकर्यै नमः                       |     | ॐ स्वर्ण रंभाभ सक्षिकायै नमः 65                |
| ॐ श्रीकृष्ण हितभेगिन्यै नमः                    |     | ॐ विशाल जघनायै नमः                             |
| ॐ आमुक्त माल्यदायै नमः                         |     | ॐ पीन सुश्रोण्यै नमः                           |
| ॐ बालायै नमः                                   | 15  | ॐ मणि मेखलायै नमः                              |
| ॐ रंगनाथ प्रियायै नमः                          |     | ॐ आनंद सागरावर्त गंभीरांभोज नाभिकायै नमः       |
| ॐ परायै नमः                                    |     | ॐ भास्वद्लित्रिकायै नमः 70                     |
| ॐ विश्वंभरायै नमः                              |     | ॐ चारु जगत्पूर्ण महोदर्यै नमः                  |
| ॐ कलालापायै नमः                                |     | ॐ औं नवमल्ली रोमराज्यै नमः                     |
| ॐ यतिराजसहोदर्येनमः                            | 20  | ॐ सुधाकुंभायित स्तन्यै नमः                     |
| ॐ कृष्णानरकतायै नमः                            |     | ॐ कल्पमाला निभ भजायै नमः                       |
| ॐ सुभगायै नमः                                  |     | ॐ चंद्रखंड नखांचितायै नमः 75                   |
| ॐ सुलभ श्रियै नमः                              |     | ॐ सुप्रवाळांगुळी न्यस्त महारत्नांगुळीयकायै नमः |
| ॐ सलक्षणायै नमः                                |     | ॐ नवारुण प्रवाळाभ पाणिदेश सर्मचितायै नमः       |
| ॐ लक्ष्मीप्रियसख्यैनमः                         | 25  | ॐ कंबुकंठ्यै नमः                               |
|  |     | ॐ सुचुबुकायै नमः                               |

औं बिंबोष्ठै नमः 80  
 औं कुंददंत युजे नमः  
 औं कारुण्यरस निष्ठ्यंदि नेत्रद्वय सुशोभितायै नमः  
 औं मुक्ता शुचिस्मितायै नमः  
 औं चारुचापेय निभ नासिकायै नमः  
 औं दर्पणाकार विपुल कपोल द्वितयांचितायै नमः 85  
 औं अनंतार्क प्रकाशोद्यन्मणि ताटंक शोभितायै नमः  
 औं कोटि सूर्याग्नि संकाश नानाभूषण भूषितायै नमः  
 औं सुगंध वदनायै नमः  
 औं सुभ्रवे नमः  
 औं अधृचंद्र ललाटिकायै नमः 90  
 औं पूर्ण चंद्राननायै नमः  
 औं नीलकटिलालक शोभितायै नमः  
 औं सौंदर्य सीमायै नमः  
 औं विलसत्कस्तूरी तिलकोज्ज्वलायै नमः  
 औं धगद्धग्यायमानोद्यन्मणि सीमंत भूषणायै नमः 95  
 औं जाज्ज्वल्यमान सद्रत्न दिव्य चूडावतंसकायै नमः  
 औं सूर्यार्थचंद्र विलसदभूषणांचित वेणिकायै नमः  
 औं निगन्निगद्रत्नपुंज प्रातस्वर्ण निचोलिकायै नमः  
 औं सद्रत्नांचित विद्योत विद्युत्पुंजाभ शाटिकायै नमः  
 औं अत्यर्कानल तेजोधि मणिकचुक धारिण्यै नमः 100  
 औं नानामणिगणाकीर्ण हेमांगद सुभूषितायै नमः  
 औं कुंकमागरु कस्तूरी दिव्यचंदन चर्चितायै नमः  
 औं स्वोचितौज्ज्वल्य विविध विचित्र मणिहरिण्यै नमः  
 औं असंख्येय सुखस्पर्श सर्वातिशय भूषणायै नमः  
 औं मल्लिका पारिजातादि दिव्यपुष्प संगंचितायै नमः 105  
 औं श्रीरंगनिलयायै नमः  
 औं पूज्यायै नमः  
 ओ दिव्यदेश सुशोभितायै नमः  
 औं श्रीरंगनायक्यै नमः  
 औं श्री महालक्ष्म्यै नमः  
 औं श्री देव्यै नमः  
 औं श्री भूदेव्यै नमः  
 औं श्री नीलादेव्यै नमः  
 औं श्री गोदादेव्यै नमः  
 औं श्री अनंताय नमः  
 औं श्री गरुडाय नमः  
 औं श्री परांकुशाय नमः  
 औं श्रीमते रामानुजाय नमः  
 औं श्रीमद्वरवरमुनये नमः  
 औं स्वाचार्येभ्यो नमः  
 औं पूर्वाचार्येभ्यो नमः  
 औं श्रीरंगनायक्यै नमः  
 औं समस्त परिवाराय सर्व दिव्य मंगल विग्रहाय  
 श्रीमते नारायणाय नमः  
**मंगलाशासनम्**  
 स्वोच्छिष्टमालिकाबंध गंध बंधुर जिष्णवे ।  
 विष्णुचित्तनूजायै गोदायै नित्यमंगलम् ॥

मादशाकिंचन त्राण बद्धकंकण पाणये ।  
 विष्णुचित्त तनुजायै गोदायै नित्यमंगलम् ॥

श्रीमत्यै विष्णुचित्तार्थ मनोनंदन हेतवे ।  
 नंदनंदनसुंदर्यै गोदायै नित्यमंगलम् ॥

कर्कटे पूर्वफल्गुन्यां तुलसीकाननोद्भवाम् ।  
 पांड्ये विश्वंभरा गोदा वंदे श्रीरंगनायकीम् ॥

मंगलाशासनपरैः मदाचार्य पुरोगमैः ।  
 सर्वेश्च पूर्वेराचार्यैः सत्कृतायास्तु मंगलम् ॥

**सेवाकालम् - गुरुपरंपरा**  
 श्रीशैलेश दयापात्रं धीभक्त्यादि गणार्णवम्  
 यतींद्रप्रवणंवंदे रम्यजामातरंमुनिम् ॥  
 लक्ष्मीनाथ समारंभां नाथ यामुन मध्यमाम्  
 अस्मदाचार्य पर्यतां वन्दे गुरु परंपराम् ॥

यो नित्यमच्युत पदांबुज युग्म रुक्म  
 व्यामोहत स्तैरितराणीं तणाय मेने ।  
 अस्मद्गुरोर्भगवतोस्य दर्यकसिन्धोः  
 रामानुजस्य चरणौ शरणं प्रपद्ये ॥

माता पिता युवतय स्तनया विभूतिः  
 सर्व यदेव नियमेन मदन्वयानाम् ।  
 आद्यस्य नः कुलपते वेकळाभिरामं  
 श्रीमतदंघि युग्मे प्रणमामि मूर्धना ॥

भृतं सरश्च महदाहवय भट्टनाथ  
 श्री भक्तिसार कुलशेखर योगिवाहान् ।  
 भक्तांघि रेण परकाल यतींद्र मिश्रान्  
 श्रीमत्परांकुशमुनिं प्रणतोस्मि नित्यम् ॥

### \* तिरुप्पळिक्येषुच्चिच \*

**श्रीरंगनाथ का सुप्रभात्**  
**तिरुमालैयाण्डान् के व्दारा अनुगृहीत तनियन्**

तमेव मत्वा परवासदेवं  
 रड्गेशयं राजवर्दह्णीयम् ।  
 प्राबोधकीं योकृत सूक्ष्मिमालां  
 भक्ताङ्घिरेणुं भगवन्त मीडे ॥  
**तिरुवरंग प्लेमाक्लैयर् अनुगृहीत तनियन्**  
 मण्डङ्गुडियेन्बर् मामरैयोर् मन्नियशीर्  
 तोण्डराङ्घिप्पोडि तोन्नगरं, वण्डु  
 तिण्टर्तवयल् तेन्नरङ्गतम्मानै, पळिक  
 युणतुं पिरान् उदित वूर्.

### \* पाशुरम् - 1

कदिवर्नं कुणदिशै चिचगरं वन्दपैन्दान्,  
 कनै यिरु लग्नर्दु कालैयं पोषुदायु,  
 मदु विरिन्दोषिगिन मामल रैल्लां,  
 वानव ररशगङ्क वन्दु वन्दीण्डि  
 एदिर्दिशै निरैन्दनर् इवरोडुं पुगुन्द,  
 इरुङ्गळि तीटटमुं पिडियोडु मुरशु,  
 अदिर् तलिल अलैकडल् पोन्नुळदु एङ्गुं,  
 अरङ्गतम्मा! पळिक्येषुन्दरुलाये ॥

### पाशुरम् - 2

कोषुड्गोडि, मुल्लैयिन् कोषुमल रणवि,  
 क्कूरङ्नदु कुणदिशै मारुतं इदुवो,  
 ऐषुन्दन मलरपै प्पळिकोळळनं  
 इन्बनि ननैन्द तमिरु शिरगुदरि,  
 वि षुड्गिय मुदलैयिन् पिलम्बुरै पेष्वाय्  
 वैळ्ळैयिरु रवदन् विडतिनु क्कनुइगि  
 अषुड्गिय वानैयिनरुन्दुयर् केडुत.  
 अरङ्गतम्मा! पळिल येषुन्दरुलाये.

## पाशुरम् - 3

शुडरोळि परन्दन शूष्दिशौ येल्लां,  
तुन्निय तारकै मिन्नोळि शुरुडगि,  
पडरोळि पशुतनन् पनिमदि यिवनो,  
पायिरुळगन्नरुं पैम्बो षिक्कमुगिन्,  
मडलिडे क्कीरि वण्पाळैगळ् नार,  
वैकरै कूरुन्ददु मारुत मिदुवो,  
अडलोळितिगष्टरु तिगिरियन्दडकै,  
अरडगतम्मा! पळिळयेषुन्दरुळाये.

## पाशुरम् - 4

मेट्टिल मेदिगळ् तळैविडुं आयरकळ्,  
वेयडुकुष लोशेयुं विडै मणिकुरलुम,  
ईटिय विशैदिशौ परन्दन वयलुळ्,  
इरिन्दन शुरुम्बिनं इलंगैयर् कुलतै,  
वाट्टिय वरिशिलै वानव रेरे!  
मामुनि वेळिवयै क्कात, अवपिरदं  
आट्टिय वडुतिर लयोति येम्मरशे!  
अरडगतम्मा! पळिळयेषुन्दरुळाये.

## पाशुरम् - 5

पुलम्बिन पुट्कळुं पूम्बोषिल् गळिन् वाय्  
पोयितु ककडगुल् पुगुन्ददु पुलरि,  
कलन्ददु कुणादिशौ कनैकड लरवं,  
कळिवण्डु मिषतिय कलम्बग म्बुनैन्द,  
अलडगल न्दोडैयल् कोण्डु अडियिणे पणिवान्,  
अमर्गळ् पुगुन्दनर् आदलिल् अम्मा!  
इलंगैयरकोन् वषिपाडु शेय् कोयिल,  
एम्बेरुमान्! पळिळयेषुन्दरुळाये.

## पाशुरम् - 6

इरवियर् मणिनेडुं तेरोडुं इवरो?  
झैयवर् पदिनोरु विडैयरुमिवरो,  
मरुविय मयिलिन नरुमुगन् इवनो?  
मरुदरुं वशुककळुं वन्दु वन्दीण्डि,  
पुरवियो डाडलुं पाडलुं तेरुं,  
कुमरदण्डं पुगुन्दीण्डि वेळम्,  
अरुवरै यनैयनिन् कोयिल मुनिवरो?  
अरडगतम्मा! पळिळयेषुन्दरुळाये.

## पाशुरम् - 7

अन्दर तमररगळ् कूटडगल् इवैयो?  
अरुन्दव मुनिवरुं मरुदरुं इवरो?  
इन्द्र नानैयुं तानुं वन्दिवनो?  
एम्बेरुमान्! उनकोयिलिन् वाशल्,  
शुन्दरर् नैरुकक विच्चादरर् नूक  
इयककरुं मयडगिनर् तिरुवडितोषुवान्  
अन्दरं पारिड मिल्लै मतिदुवो?  
अरडगतम्मा! पळिळयेषुन्दरुळाये.

## पाशुरम् - 8

वम्बविष् वानवर् वायुरै वषंग,  
मानिदिकपिलै ओण् कण्णाडिमदला,  
एम्बेरुमान् पडिमैक्कलं काण्डकुं,  
एज्जनवायिन कोण्डु नन्मनिवर्,  
तुम्बुरु नारदर् पुगुन्दन रिवरो  
तोन्निरन निरवियुं तुलडगोळि परप्पि,  
अम्बर तलतु निन्न गलगिनर् दिरुळ् पोय्,  
अरडगतम्मा! पळिळयेषुन्दरुळाये.

## \* पाशुरम् - 9

एदमिल् तण्डुमै एकं मतळि  
याष्कुषल् मुषुवमोडु इशैदिशौ केषुमि,  
कीदङ्गळ् पाडिनर् किन्नरर् कैरुडरगळ्,  
कन्दरुव रवर् कडगुलु छेल्लाम्,  
मादवर् वानवर् शारणर् इयक्कर्,  
शितरुं मयडगिनर् तिरुवडि तोषुवान्  
आदलिलवर्कु नाळोलकं अरुळ  
आरडगतम्मा! पळिळयेषुन्दरुळाये

## \* पाशुरम् - 10

कडिमिलर् कमलडगळ् मलरन्दन इवैयो  
कदिरवन् कनैकडल् मुळैतन निवनो  
तुडि यिडैयार् शुरिकुषल् पिषिदनुदरि  
तुगिलुडु तेरिनर् शूष्पन लरडगा!  
तोडैयौत तुळवमुं कूडेयुं पोलिन्दु  
तोन्निय तोळ तोण्डरडिप्पोडि येन्नुम्  
अडियनै अळिय नैन्नरुळि उन्नडियार्काळ  
पडुताय्! पळिळयेषुन्दरुळाये.  
तोळरडिप्पोडियाळवर् तिरुवडिगळे शरणम्

## तिरुप्पावै

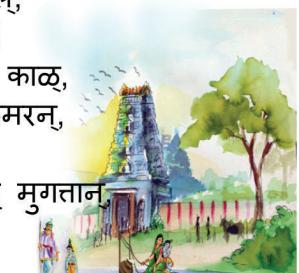
### तनियन्

नीळातुंग स्तनगिरितीसुप्तमुद्बोध्य कृष्णं,  
पाराथ्यैं स्वं श्रुतिशतशिरास्सिद्धं मध्यापयन्ती ।  
स्वोच्छिष्टायां स्रजि निगळितं या बलात्कृत्य भुळक्ते,  
गोदा तस्यै नम इदमिदं भूय एवास्तु भूयः॥

अन्न वयल् पुदुवै याण्डाळ् अरंगर्क  
पन्नु तिरुप्पावै प्पल् पदियम्, इन्नरैयाल्  
पाडिक्कोडुताळ् नर्पामालै, पूमालै  
शूडिक्कोडुता च्चोल्लु.  
शूडिक्कोडुत शुडकौडिये तोल्पावै,  
पाडियरुळवल्ल पल्वळैयाय्! नाडि नी  
वेंगडवर्केन्नै विदि येन्नर विम्मातम्,  
नां कडवा वण्मे नलकु.

## \* पाशुरम् - 1

मार्गषितिंगल् मदि निरैन्द नन्नाळाल्,  
नीराड प्पोदुवीर् पोदुमिनो नेरिषेयीर्!  
शीरमल्गु मायूप्पाडि शेल्वच्चिरुमीर् काळ,  
कूर्वेल् कोडुन्दीषिलन् नन्दगोपन् कुमरन्,  
एरान्दकण्ण यशोदै यिळं शिंगम्,  
कारमेनि च्चेंगण् कदिर मदियम्बोल् मुगतान्  
नारायणने नमक्के परै तरुवान्  
पारोर् पुषप्पडिन्देलो रेम्बावाय्



## पाशुरम् - 2

वैयतु वाष् वीरकाळ! नामुम् नम्पावैक्कु,  
शेष्युम् किरिशैगळ् केळीरो, पार्कडलुळ  
पैय तुयिन्न परम नडिपाडि,  
नेय्युण्णोम् पालुण्णोम् नाट्काले नीराडि,  
मैयिट्टेषुदोम् मलरिट्टु नाममुडियोम्  
शेष्यादन शेष्योम् तीक्करळे च्चेन्नोदोम्,  
ऐयमुम् पिच्चैयुं आन्दनैयुम् कैकाट्टि ,  
उय्युमारेण्ण उगन्देलोरेम्बावाय्.



### \* पाशुरम्-३

ओंगि युलकळन्द उतमन् पेरपाडि,  
नांगळ् नम्पावैककु च्याति नीराडिनाल्,  
तींगिन्हि नाडेल्लाम् तिंगळ् मुम्मारि पेयदु  
आँगु पेरु शेन्नेलूडु कयलुगळ,  
पूंगुवळैप्पोदिल् प्पोरिवण्डु कण्पडुप्प,  
तेंगादे पुकिरिन्दु शीतमुलै पति वांग,  
कुडम् निरैकुम्भ् वळळळ पेरुम्बशुकळ,  
नींगाद शेल्वम् निरैन्देलो रेम्बावाय्



### पाशुरम्-४

आषिमषै ककणा! ओन्दु नी कैकरवेल,  
आषियुळ् पुकु मुकन्दुकोडार्टरि,  
ऊषिमुतल्व नुरुवम्बोल् मेय् कुरुतु,  
पाषियेन्दोलुडै प्पर्पनाबन् कैयिल्.  
आषि पोल् मिन्नि वलम्बुरिपोल् निन्दिरिन्दु  
ताषादे शारङ्ग मुदैत शरमषैपोल्  
वाषुवलकिनिल् पैय्दिडाय्, नांगळुम्  
मारक्षि नीराड मकिषन्देलो रेम्बावाय्



### पाशुरम्-५

मायनै मन्नु वडमदुरै मैन्दनै  
तूय पेरुनीर् यमुनै तुरैवनै,  
आयरकुलतिनिल् तोन्दुम् मणिविळकै  
तायै क्कुडल् विळकक्म् शेय्द दामोदरनै,  
तूयोमाय् वन्दु नाम् तूमलर् तूवितोडु  
वायिनाल् पाडि मनतिनाल् शिन्दिक्क,  
पोय पिष्म् पुगुतरुवा निन्ननवुम्  
तीयिनिल् तूशागुम् शेप्पेलो रेम्बावाय्



### पाशुरम्-६

पळळम् शिलुम्बिनगाण् पुळळरैयिन् कोयिलिल्,  
वैळळै विळिशडिगिन् पेररवम् केटटिलैयो?,  
पिळळाय्! एषुंदिराय्! पेय् मुलै नंजङ्डु,  
कळळच्चगडम् कलकक्षिय क्कालोच्चिच,  
वैळळतरविल् तुयिलमर्न्द वित्तिनै,  
उळळतुक्कोडु मुनिवरगळुम् योगिगळुम्,  
मेळळवेषुन्दु अरियेन्न पेररवम्,  
उळळम् पुगुन्दु कुळिरिन्देलो रेम्बावाय्.



### पाशुरम्-७

कीशुकीशौ न्ऱेंगु आनैच्चातन्, कलन्दु  
पेशिन पेच्चरवम् केटटिलैयो पेय् प्पैण्णो!  
काशुम् पिरप्पुम् कलगलप्प कैपेर्तु,  
वाश नरुं कुषलायिच्चियर्, मतिनाल्  
ओशैप्पडुत तयिरवम् केटटिलैयो,  
नायग प्पेण्बळ्ळाय्! नारायणन्! मूर्ति!,  
केशवनै प्पाडवम् नी केटटे किडतियो,  
तेशमुडैयाय्! तिरवेलो रेम्बावाय्



### पाशुरम्-८

कीष्वानम् वैळळेन्दु एरुमै शिरुवीडु,  
मेय्वान् परन्दनकाण् मिकुळ्ळ पिळळैगळुम्,  
पोवान् पोगिन्हरै प्पोगामल् कातु, उन्नै  
क्कूवुवान् वंदु निन्होम् कोदुकलमुडैय  
पावाय्! एषुंदिराय्! पाडिप्परै कोडु  
मावाय् पिळळानै मल्लरै माटिय,  
देवादिदेवनै शेन्नु नां शेविताल्,  
आवावेन्नारायन्दरुळेलो रेम्बावाय्



### पाशुरम्-९

तूमणिमाडतु च्युतुम् विळक्केरिय,  
तूपम् कमष तुयिलै मेल् कण्वळरुम्,  
मामान्मकळे मणिक्कदवम् ताळ् तिरवाय्  
मामीर! अवळे येषुप्पीरो, उन्मगळ् दान्  
ऊमैयो? अन्हि च्यैविडो, अनन्दलो  
एम प्पेरुन्दुयिल् मन्दिरप्पटाळो  
मामायन् मादवन् वैगुन्दन् एन्नेन्नु,  
नामम् पलवुम् नविन्नरेलो रेम्बावाय्!



### पाशुरम् -10

नोतु च्युवरक्कम् पुगुगिन्ह अम्मनाय्!  
मातमुम् तारारो वाशल् तिरवादार्,  
नात तुषायमुडि नारायणन्, नम्माल्  
पोत प्परै तरुम् पुणियनाल्, पण्डोरुनाल्  
कूततिन् वाय्वीष्द कुम्बकरणनुम्,  
तोतु मुनक्के पेरुन्दुयिल् तान् तन्दानो,  
आत वनन्दलुडैयाय्! अरुगलमै!  
तेतमाय् वन्दु तिरवेलो रेम्बावाय्.



### पाशुरम्-11

कत्तुकरवै क्कणंगळ् पलकरन्दु,  
शेतार् तिरलषिय च्येन्नु शेरुच्चेय्युम्  
कुत मोन्निल्लाद कोवलरदम् पोकैङ्गिये!  
पुतरवलगुल् पुनमयिलो! पोदराय्,  
शुततु तोषिमारैल्लारुम् वन्दु, निन्  
मुतम् पुकुन्दु मुकिल् वण्णन् पेरपाड,  
शितादे पेशादे शेल्व प्पेंडाट्टि, नी!  
एत्तुकुरंगुम् पोरुळेलो रेम्बावाय्



### पाशुरम्-12

कनैतिलं कतोरुमै कन्नुकिरंगि,  
निनैतु मुलैविष्ये निनुपाल् शोर,  
ननैतिल्लम् शेराकुम् नञ्चेल्वन् तंगाय्!  
पनि तलैवीष निन् वाशल् कडैपति,  
शिन्तिनाल् तेन्निलंगै क्कोमानै च्चेत,  
मनतुकिक्कियानै प्पाडवुम् नीवाय् तिरवाय्,  
इनिता नेषुन्दिराय् ईदेन्न पेरुक्कम्,  
अनैतिलतारु मरिन्देलो रेम्बावाय्



### पाशुरम्-13

पुळळन् वाय् कीण्डानै प्पोल्लावरक्कनै,  
किकळिल् ककळैन्दानै क्कीर्तिमै पाडिप्पोय्,  
पिळळैक ळेल्लारुम् पावैक्कलम् पुक्कार्,  
वैळळयेषुन्दु वियाष मुरंगितु,  
पुळळम् शिलुम्बिनकाण्! पोदरिक्कण्णनाय्,  
कुळळकुळिल् कुळैन्दु नीराडादे,  
पिळळविक्किडतियो पावाय्! नी नन्नाळाल्,  
कळळम् तविरन्दु कलन्देलो रेम्बावाय्.



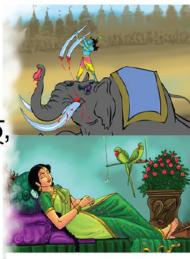
### पाशुरम्-14

उळळ पुष्मैकडै तोट्टतु वावियुळ्  
शेङ्गशुनीर् वाय् नेगिषिदु आम्पल् वाय् कूम्बिनकाण  
शेंगल् पोडिक्कूरै वैण्बल् तवतवर्,  
तंगळ् तिरुक्कोयिल् शंगिडुवान् पोगिन्हार्,  
एगळै मुन्नम् एषुप्पुवान् वाय्पेशुम्,  
नंगाय्! एषुन्दिराय्! नाणादाय्! नावुडैयाय्!  
शेंगोडु शक्कर मेन्दुम् तडकैयन्,  
पंगयक्कण्णानै प्पाडेलो रेम्बावाय्.



## पाशुरम्-15

एल्ल!इळंकिल्हिये!इन्न मुरंगुदियो,  
शिल्ले न्धैयेनिमन् नंगैमीरा! पोदरुगिन्नेन्,  
वल्लै उन्कट्टुरैगळ् पंडे युन् वायरिदुम्,  
वल्लीरगळ् नीगळे नानेदा नायिडुग,  
ओल्लै नी पोदाय! उन्नककेन्न वेरुडैये,  
एल्लारुम् पोन्दारो?पोन्दार पोन्देणिणक्कोळ,  
वल्कानै कोन्नानै मातारै मातषिक  
वल्कानै, मायनै प्पाडेलो रेम्बावाय्



## \*पाशुरम्-16

नायगनाय् निन्न नन्दगोपनुडैय  
कोयिल् काप्पाने!, कोडितोन्नुम् तोरण  
वाशक् काप्पाने!, मणिककदवम् ताळ् तिरवाय्,  
आयर् शिरुमियरोमुक्कु, अरैपरै  
मायन् माणिवण्णन् नैन्नले वाय्नेरन्दान्,  
तूयोमाय् वन्दोम् तुयिलेष प्पाडुवान्,  
वायाल् मुन्न मुन्नम् मातादे अम्मा!,नी  
नेश निलैककदवम् नीक्केलो रेम्बावाय्



## पाशुरम्-17

अम्बरमे! तण्णीरे! शोरे! अरम्शेष्युम्,  
एम्बेरुमान्! नन्दगोपाल! एषुन्दिराय्,  
कोम्बनाक्केल्लाम् कोषुन्दे! कुलविळक्के!  
एम्बेरुमाट्टि! यशोदा! अरिवुराय्,  
अम्बर मूडुरुतु औंगि उलगळन्द,  
उम्बर कोमानो! उरंगा दैडुषुदिराय्  
शेम् पोर्क्षसलडि च्छैल्वा! बलदेवा!  
उम्बियुम् नीयु मुरंगेलो रेम्बावाय्.



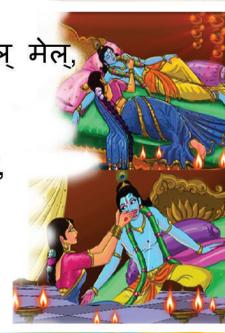
## \*पाशुरम्-18

उन्दु मदगळित नोडाद तोळवलियन्,  
नन्दगोपालन् मरुमगळे! नप्पिन्नाय्!  
कन्दम् कम्षुम् कुषली! कडैतिरवाय्,  
वन्दु एगम् कोषि अषेतेनकाण्,मादवि  
प्पन्दलमेल् पल्काल् कुयिलिन्गळ् कूविनकाण्,  
पन्दार्विरानि! उन्मैतुनन् पेरपाड,  
शेन्दामरै क्कैयाल् शीरार् वळे योळिप्प  
वन्दु तिरवाय् मकि षिन्देलो रेम्बावाय्.



## पाशुरम्-19

कुतु विळक्केरिय क्कोट्टुक्काल् कट्टिल् मेल्,  
मैतन्न पञ्चशयनतिन् मेलेरि,  
कोतलर् पुंक्षल् नप्पिन्नै कौंगैमेल्,  
वैतु किक्कन्द मलरमारपा! वाय्तिरवाय्,  
मैतडंकणिनाय्! नी युन् मणाळनै,  
एत्तैपोदुम् तुयिलेषवोट्टाय्काण्!,  
एत्तै येलुम् पिरिवात किल्लायाल्,  
ततुवमन्नु तगवेलो रेम्बावाय्.



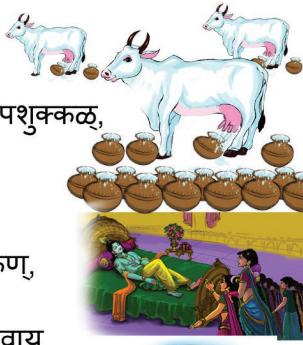
## पाशुरम्-20

मुप्पतु मूव रमर्कु मुन्शेन्नु,  
कप्पम् तविरुम् कलिये! तुयिलेषा य्,  
शेष्प मुडैयाय्! तिरलुडैयाय्!, शेतार्कु  
वैप्प कोडुक्कुम् विमला! तुयिलेषाय्,  
शेष्पेन्न मेन्मुलै शेवाय् शिरुमरुगुल,  
नप्पिन्नै नंगाय्! तिरवे! तुयिलेषाय्,  
उक्कमुम् तट्टोळियुम् तन्दुन्मणाळनै,  
इप्पोदे येम्मै नीराट्टेलो रेम्बावाय्.



## पाशुरम्-21

एत कलंगळ् ऐदिरपौंगि मीदलिप्प,  
मातादे पाल् शौरियुम् वळलल् पौरु पशुककळ्,  
आतप्पडैतान् मगनै! अरिवुराय्,  
ऊत मुडैयाय्! पेरियाय्! उलगिनिल्  
तोतमाय् निन्न शुडरे!तुयिलेषाय्,  
मातारुनकु वलि तोलैदु उन् वाशर्कण्,  
आतादुवन्दु उन्नडि पणियमापोले,  
पोतियाम् वन्दोम् पुक्षिन्देलो रेम्बावाय्



## \*पाशुरम्-22

अंगण् मात्राल तरशर्, अभिमान  
बड़गमाय् वन्दु निन् पळ्ळिकट्टिल् कीषे,  
शंग मिरुप्पारपोल् वन्दु तलै प्पेयदोम्,  
किंगिणि वाय्च्चेयद तामरै प्पृप्पोले,  
शेंगन् शिरच्चिरिदे येम्मेल् विषियावो,  
तिंगळु मादित्यिनु मेषुन्दार्पोल्,  
अंग णिरप्पुं कोंडु एंगळ् मेल् नोक्कुदियेल्,  
एंगळ् मेल् शाप मिषन्देलो रेम्बावाय्.



## \*पाशुरम्-23

मारि मलै मुषज्जिल् मन्नि किक्कन्दुरुंगुम्  
शीरियशिंगमरिवितु तीविषितु,  
वेरिमयिर् पौंग वैप्पाडुम् पेरुन्दुदरि,  
मूरि निमिरन्दु मुषंगि प्पुरप्पट्टु,  
पोदरुमापोले नी पूवैप्पूवण्णा, उन्  
कोयिल् निनु इंगने पौन्दरुलि,क्कोप्पुडैय  
शीरिय शिंगासनतिरुन्दु, याम् वन्द  
कारिय माराय् न्दरुलेलो रेम्बावाय्.



## \*पाशुरम्-24

अन्डु इव्वलग मळन्दाय्! अडि पोति,   
शेन्ऱगु तेन्निलंगै शेताय्! तिरल् पोति,   
पौन्नर च्यगड मुतैताय्! पुक्षपोति,   
कन्नु कुणिला वैरिंदाय्! कषल् पोति,   
कन्नु, कडैया वैडुताय्! गुणम् पोति,   
वैन्डु पगे केडुक्कम् निन्कैयिल् वेल् पोति,   
एन्ऱन्नुन् शेवगम येति प्परै कोळ्वान,  
इन्नु याम् वन्दो इंगेलो रेम्बावाय्.



## पाशुरम्-25

ओरुति मगनाय् पिरन्दु, ओरिरविल्  
ओरुतिमगनाय् औळितु वळर,  
तरिक्किलानागि तान् तींगु निनैन्द,  
करुते प्पिष्पेप्पितु कज्जन् वयितिल,  
नेरुप्पेन्ननिन्न नेडुमाले!, उन्नै  
अरुतितु वन्दोम् परै तरुदियागिल,  
तिरुतक्क शेल्वमुम् शेवगमुम् यांपाडि,  
वरुतमुम् तीरन्दु मकिषिन्देलो रेम्बावाय्.



## पाशुरम्-26

माले! मणिवण्णा! मार्गषि नीराडुवान,  
मेलैयार शेय्वनकळ् वेंडुवन केट्टियेल्  
जालतैयेल्लाम् नडुग मुरल्वन,  
पालण वण्णतु उन् पाञ्चशनिन्यमे,  
पोल्वन शंगंगळ् पोय्पाडुडै यनवे,  
शालप्पेरुम् परैये पल्लां डिशेप्पारे,  
कोलविळक्के कोडिये वितानमे,  
आलिनिलैयाय्! अरुळेलो रेम्बावाय्.



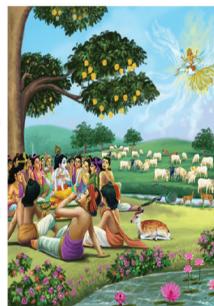
## \* पाशुरम्-27

कूडारै वेल्लुम् शीर् गोविन्दा! उंदन्नै  
प्पाडि परैकोण्डु यामपेरु शम्मानम्,  
नाडु पुक षुम् परिशिनाल् नन्नराग,  
शूडगमे तोल्वळेये तोडे शेविप्पूरे,  
पाडगमे येन्नरैये पलकलनुम् यामणिवोम्,  
आडैयुक्कप्पोम् अदनपिन्ने पाल् शोरु  
मूड नैय् पेयदु मुषगे वषिवार,  
कूडियिरुन्दु कुळिरन्देलो रेम्बावाम्.



## \* पाशुरम्-28

करवैगळ् पिन् शेन्नु कानं शेरन्दुण्डोम्  
अरिवोन्नु मिल्लाद वाय्कुलतु, उन्दन्नै  
पिरवि पैरुन्दन्नै पुण्णियुम् यामुडै योम्,  
कुरै वोन्नुमिल्लाद गोविन्दा! उन्दन्नोडु  
उरवैल् नमकु इंगोषिक्क वोषियादु,  
अरियाद पिळैगळो अन्बिनाल्, उन्दन्नै  
शिरु पैषैतनवुम् शीरि यरुलादे,  
इरैवा नी ताराय् परै येलो रेम्बावाय्.



## नैवेद्यम्

दो पाशुरम् शान्ति पाठ आर् शानुमुरै मंगळाशाशनान्त्र  
पढना है

### मङ्गलाशासनम्

लक्ष्मीचरण लाक्षांक साक्षि श्रीवत्सवक्षसे ।  
क्षेमं कराय सर्वेषां श्रीरंगेशाय मंगळम् ॥  
श्रियः कांताय कल्याण निधये निथयेर्थिनाम् ।  
श्री वैकट निवासाय श्रीनिवासाय मंगळम् ॥  
अस्त श्रीस्तन कस्तूरी वासना वासितोरसे ।  
श्रीहस्तिगिरि नाथाय देवराजाय मंगळम् ॥  
कमला कुच कस्तूरी कर्द मांकित वक्षसे ।  
यादवाद्रि निवासाय संपत् पुत्राय मंगळम् ॥  
नीलाचल निवासाय नित्याय परमात्मने ।  
सुभद्रा प्राणनाथाय श्री जगन्नाथाय मंगळम् ॥  
स्वोच्छिष्ट मालिका बंध गंधबंधुर जिष्णवे ।  
विष्णुचित तनूजायै गोदायै नित्यमंगळम् ॥  
श्रीनगर्या महापुर्या ताम्र पर्यंतरे तटे ।  
श्री तिंत्रिणी मूलधाम्ने शठकोपाय मंगळम् ॥  
शेषो वा सैन्यनाथो वा श्रीपति वैति सात्विकैः ।  
वितकर्याय महाप्राजैः भाष्यकाराय मंगळम् ॥  
तला मूलावतीर्णाय तोषिताखिल सूर्ये ।  
सौम्यजामातृ मुनये शेषांशायास्तु मंगळम् ॥  
मंगळाशासनपैः मदाचार्य पुरोगमैः ।  
सर्वेश्च पूर्वे राचार्यः सत्कृतायास्तु मंगळम् ॥

## \*पाशुरम्-29

शितुं शिरुकाले वंदुन्नै च्चेवितु, उन्  
पोतामरै यडिये पौत्रं पोरुळ् कैकाय,  
पैतं मेयुत्तणं कुलात्तैल् पिरंदु, नी  
कतेवल् एगळे क्कोळ्लामल् पोगादु,  
इतै परैकोळ्वा नन्नगाण् गोविन्दा!,  
ऐतैकुं एषे पिरविकुं, उन्दन्नोडु  
उत्तोमे यावो उनक्के नो आटचैयवो,  
मत्तैनं कामंगळ मातेलो रेम्बावाय्.



## \* पाशुरम्-30

वंगकडल् कड्दं मादवनै केशवनै,  
तिंगळ तिरुमुगत् च्चेयिषैयार् शेन्निरैजि  
अंगपैर् कोड वातै, अणिपुदुवै  
पैंगमल तण् तैरियल् पट्टरपिरान् कोटै शौन्न,

शंग तमिडमालै मुप्पदुं तप्पामे,  
इंगु इप्परिशुैप्पार् ईरिरंडु माल्वैतोल्,  
शेंगण तिरुमगत् च्चेल्व तिरुमालाल्,  
एंगुंतिरुवरुल्पैत् इंबुरुवरेम्बावाय्.



### गोदा चतुःश्लोकी

नित्या भूषा निगमशिरसां निस्समोतुंगवार्ता  
कातो यस्या: कचविलुलितैः कामुको माल्यरत्नैः ।  
सकृत्या यस्या: श्रुति सुभगया सुप्रभाता धरित्री  
सेषा देवी सकलजननी सिंचतां मा मपांगैः ॥ 1

माता चेतुलसी पिता यदि तव श्रीविष्णुचित्तो महान्  
भ्राता च दयतिरेखरः प्रियतमः श्रीरंगधामा यदि।  
जातारास्तनयाः त्वदुक्तिं सरस स्तन्येन संवर्धिताः  
गोदादेवि! कथं त्व मन्यसुलभा साधारणा श्रीरसि ॥ 2

कल्पादौ हरिणा स्वयं जनहित दृष्टेन सर्वात्मनां  
प्रोक्तं स्वस्य च कीर्तनं प्रपदनं स्वस्मै प्रसन्नार्पणम् ।  
सर्वेषां प्रकटं विधात मनिशं श्रीधन्विनव्ये पुरे  
जातां वैदिकविष्णुचित तनयां गोदा मुदारां स्तुमः ॥ 3

आकूतस्य परिष्क्रिया मनुपमा मासेचनं चक्षुषोः  
आनंदस्य परंपरा मनगणा माराम शैलेशितुः ।  
त द्वोमध्य किरीटकाटिघटित स्वोच्छिष्टकस्तूरिका  
माल्यामोदसमेधितात्म विभवां गोदा मुदारां स्तुमः ॥ 4

### श्रीरङ्गनाथस्तोत्रम्

श्रीपराशरभट्टार्यः श्रीरङ्गेश परोहितः ।  
श्रीवत्साइकसुतः श्रीमान् श्रेयसे मेस्तु भूयसे ॥

सप्तप्राकारमध्ये सरसिज मुकुलोदभासमाने विमाने  
कावेरीमध्यदेशे मूदुतरफणिराट् भोगं पर्यङ्कभागे।  
निद्रामद्राभिरामं कौटनिकट शिरः पार्श्वविन्यस्तहस्तं  
पद्माद्यात्रीकराभ्यां परिचितचरणं रङ्गराजं भजेहम् ॥ 1

कस्तूरी कलितोर्ध्वपुण्ड्रितिलं कर्णान्त लोलेक्षणं  
मुर्ध्य स्मेर मनोहरोधरदळं मुक्ताकिरीटोज्जवलम्।  
पश्यन्मानस पश्यतोहररुचैःः! पर्यायपङ्क्रेषु  
श्रीरङ्गाधिपते: कदानु वदनं सेवेय भूयोप्यहम् ॥ 2

कदाहं कावेरीतपरिसरे रङ्गनगरे  
शयानं भोगीन्द्रे शतमखमणि श्यामलरुचिम् ।  
उपासीनः क्रोशन् मधुमथन! नारायण! हरे!  
मुरारे! गोविन्दे त्यनिश मनुनेष्यामि दिवसान् ॥ 3  
कदाहं कावेरी विमलसलिले वीतकलषो  
भ्रवेय ततीरे श्रममषि वसेयं घनवनैः।  
कदा वा तं पुण्ये महति पुळिने मङ्गलगुणं  
भजेयं रङ्गेशं कमलनयनं शेषशयनम्॥ 4

पगी कण्ठदवयस सरसस्तिग्ध नीरोपकण्ठं  
आविर्मोद स्तिमितशकनानूदित ब्रह्मघोषाम् ।  
मार्गेमार्गं पथिकनिवहै रुञ्छ्यमानापर्वगी  
पश्येयं तां पुनरपि पुरी श्रीमर्तीं रंगधाम्नः॥ 5

न जातु पीतामृत मूर्छितानां नाकौकसां नन्दनवाटिकासु ।  
रङ्गेश्वर! त्वत्पुर मौश्रितानां रथ्याशुना मन्यतमो भ्रवेयम् ॥ 6

असन्निकृष्टस्य निकृष्टजन्तोः मिथ्यापवादेन करोषि शान्तिम् ।  
ततो निकृष्टे मयि सन्निकृष्टे कां निष्कृतिं रङ्गपते! करोषि॥

श्रीरङ्गं करिशैल मञ्जनगिरिं तारक्ष्याद्रि सिंहाचलौ  
श्रीकूर्म पुरुषोत्तमं च बद्रीनारायणं नैमिशम् ।

श्रीम व्वारवती प्रयाग मधुरायोध्या गया पष्करं  
सालग्रामगिरि निषेव्य रमते रामानुजोयं मुनिः ॥ 7

श्रीपराशरभट्टार्यः श्रीरङ्गेशपुरोहितः ।

श्रीवत्साइकसुतः श्रीमान् श्रेयसे मेस्तु भूयसे ॥ 8

इति श्रीरङ्गनाथस्तोत्र